



ॐ ॥ श्री ज्योति जगानेका मन्त्र ॥ ॐ

ॐ श्री वरुणाय नमः

ॐ श्री लालाय नमः

ॐ ॥ श्री अखे साहब का मन्त्र ॥ ॐ

ॐ अखो पायां अमर रीझायां, जो फल मागां सो फल पायां ।  
अखो अखो जय भन्डार अखो, अखे अख वेनती अधिकार्ई ।  
जेइ चइजनि हेकड़ा तिन जो साणी अमरलाल ।  
मूं मिस्कीन जा ही बटे कणा, अखा-फुला कबुल पवनि ।